खोलो भवन के द्वार भवानी | By Manish Agarwal |

खोलो भवन के द्वार भवानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।

खोलो भवन के द्वार भवानी,
जगदम्बे अम्बे महारानी।
महिमा जात न मात बखानी जी,
धूप अगर बेला की पाती,
इतर मोगरा अगर की बाती,
माई चरणन फूल चढ़ाओ जी,
देवो दरस अम्बे महारानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

लहंगा चोली लाल चुनरिया,
झुमकी नथुनी उंगली मुनदरिया।
माथे बिंदिया हार गले को जी,
बाजूबंद कमर करधनिया,
मैया पांवन की पैंजनीयां,
माई माहुर पांव लगाऊं जी।
करूं सोलह शृंगार भवानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

कुमकुम चंदन तिलक लगाऊं,
मेवा मिश्री भोग चढ़ाऊं।
चुनचुन कलियां हार बनाऊं जी,
हार सजाके लाये छैयां,
पान सुपारी नारियल मैया,
लाये भेंट तुम्हें महारानी जी।
भेंट करो स्वीकार भवानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

शुम्भ निशुम्भ मधु कैटभ मारे,
रक्तबीज दानव संहारे।
मारे महिषासुर अभिमानी जी,
सात द्वीप नौ खंड में मैया,
कोई न तुमसे बड़ा लढैया।
मैया जग की लाज बचैया जी,
सुर नर मुनि तुम्हें पूजे भवानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

ध्यानू और जगदेव भगत ने,
शीश चढ़ाए तुम्हरे चरण में।
मैया तुरतै लौ जलाये जी,
आल्हा अमर करे मां अम्बे,
लाज रखी तुमने जगदम्बे।
महिमा तुम्हरी सब जग जानी जी,
हर पे कृपा करो महारानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

खोलो भवन के द्वार भवानी,
भगत खड़े तोरे द्वार जी।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-manish-agarwal/